संख्या-316/2017/222/22-2-2017-17(259)/2011

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,

संयुक्त सचिव,

उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,

कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,

उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 24 अप्रैल, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी रामपाल पुत्र श्री मैकू निवासी जनपद-शाहजहांपुर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-44244-359/प्रोबेशन-3/(एम-17-11-2016) दिनांक-16-12-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी रामपाल पुत्र श्री मैकू, निवासी-इन्दर खां, थाना-सिधौली, जनपद-शाहजहांपुर का रहने वाला है। बन्दी ने दिनांक 03.02.1977 को लगभग 03:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राकेश नामक लड़के की भाले से हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-32/1978, 313/78 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-302/34, के अन्तर्गत मा0 सप्तम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शाहजहांपुर द्वारा दिनांक 13-12-1978 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया है। बन्दी के 01 अन्य सहअभियुक्त की मृत्यु हो चुकी है तथा 01 अन्य सहअभियुक्त दयायाचिका के आधार पर रिहा। बन्दी द्वारा दिनांक 14-08-2016 तक 20 वर्ष 09 माह 03 दिन की अपरिहार तथा 27 वर्ष 05 माह 24 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहांपुर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किये बिना व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, बन्दी द्वारा पुन: अपराध की पूर्ण सम्भावना होने, बन्दी पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, बन्दी को जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में अंकित किया गया है कि बन्दी द्वारा दिनांक 03.02.1977 को लगभग 03:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राकेश नामक लड़के की भाले से हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी की आयु 58 वर्ष है, शारीरिक रूप से स्वस्थ है। बन्दी के द्वारा भविष्य में अपराध करने की सम्भावना होने, इसकी पुष्टि समिति द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में करते हुए समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, समिति द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी रामपाल पुत्र श्री मैकू को फार्म-ए/लाईसेंस पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की है।

3- इसी प्रकरण में मा0 उच्च नयायालय में योजित रिट याचिका सं0-26025(एम0बी0)/2016 रामपाल बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 27.10.2016 के अनुपालन तथा उपरोक्त् वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी रामपाल (बन्दी संख्या-47494) पुत्र श्री मैकू निवासी जनपद-शाहजहांपुर के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-316/2017/222(1)/22-2-2017 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहांपुर।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।

3- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्या-316/2017/222/22-2-2016-17(259)/2011

दिनांक 24 अप्रैल, 2017 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी रामपाल पुत्र श्री मैकू, निवासी-इन्दर खां, थाना-सिंधौली, जनपद-शाहजहांपुर का रहने वाला है। बन्दी ने दिनांक 03.02.1977 को लगभग 03:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राकेश नामक लड़के की भाले से हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-32/1978, 313/78 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-302/34, के अन्तर्गत मा0 सप्तम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शाहजहांपुर द्वारा दिनांक 13-12-1978 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया हैं। बन्दी के 01 अन्य सहअभियुक्त की मृत्यु हो चुकी है तथा 01 अन्य सहअभियुक्त दयायाचिका के आधार पर रिहा। बन्दी द्वारा दिनांक 14-08-2016 तक 20 वर्ष 09 माह 03 दिन की अपरिहार तथा 27 वर्ष 05 माह 24 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहांपुर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बन्दी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किये बिना व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, बन्दी द्वारा पुन: अपराध की पूर्ण सम्भावना होने, बन्दी पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, बन्दी को जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में अंकित किया गया है कि बन्दी द्वारा दिनांक 03.02.1977 को लगभग 03:00 बजे 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राकेश नामक लड़के की भाले से हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी की आयु 58 वर्ष है, शारीरिक रूप से स्वस्थ है। बन्दी के द्वारा भविष्य में अपराध करने की सम्भावना होने, इसकी पुष्टि समिति द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में करते हुए समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, समिति द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी रामपाल पुत्र श्री मैकू को फार्म-ए/लाईसेंस पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in